प्रभु की मेज पर विश्वासियो ने प्रभु की उपस्थिति का अनुभव किया।

जो बच्चो को पढ़ाते हैं वह L3b का अध्ययन करें।

जो आराधना समूह की अगुवाई करना चाहते हैं और उन्होनें अभी तक शानिर्देश नहीं पढ़ें हैं वह (परिचय, अध्ययन संख्या # ए0ई) ***तुरन्त पढ़ें।***

प्रार्थना: प्रभु यीशु, मैं और मेरा झुण्ड आपकी क्षमा आशिष और जीवन देने वाली आत्मा का अनुभव करे, जब हम एक साथ प्याले और रोटी को लेते हैं, आपकी यादगारी के लिए।

1. **अपने झुण्ड की अगुवाई के लिए अपने मन और हृदयो को प्रभु के वचन से, प्रभु के अन्तिम भोज के लिए तैयार करो।**

बीसवी शताब्दी में प्रभु की मेज, प्रभु का अन्तिम भोज, सहभोज और मसीह प्रशंसा, मसीही आराधना का केन्द्र होता था।

पृष्ठभूमि

- कुछ गिरजाघरों ने यह कहकर गलती की कि प्याला और रोटी मसीह का बदन और लहू है।
- दूसरे गिरजाघरो ने यह कहकर गलती की कि प्याला और रोटी सिर्फ एक यादगार है और हमारे लिए कुछ नहीं है।

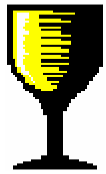

- भाग आप बाइबल पढ़ते हैं तो नीचे दिये सिध्दान्तो में ढूंढिए कि वचन क्या कहता है।

निर्गमन अध्याय 12:21-28 में ढूढें...

- मिस्त्र में किन लोगो को फसह का बलिदान करने को कहा था।
- बलिदान के लहू से उन्होंने क्या किया।
- जो फसह का बलिदान करेगा, परमेश्वर उनके साथ क्या करेगा।

निर्गमन अध्याय 16:2-5...में ढूढें

- इस्राएलियों को किस बात की चिन्ता थी जब मूसा के पीछे लम्बे सफर में जा रहे थे।
- परमेश्वर ने लोगो की आवश्यकतों को पूरा करने के लिए क्या प्रबन्ध किया।
- निर्गमन अध्याय 16:30-31 में ढूढें कि प्रभु ने जो रोटी लोगो को मुफ्त में दी थी, उसका क्या नाम रखा।

मरकुस अध्याय 8:1-9... में ढूढें।

- जो लोग यीशु की शिक्षाओं को सुनते थे, उनके बारे में उसने क्या महसूस किया।
- वह कैसी जगह थी जहाँ लोग यीशुकी शिक्षाओं को सुनते थे (पद 4)
- यीशु ने लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए क्या प्रबन्ध किया। यूहन्ना अध्याय 6:25-36...में ढूढें

यूहन्ना अध्याय 6:25-36 में ढूढें

- इस्राएलियों की अगुवाई में यीशु के मूसा के समान था, जब परमेश्वर ने उनको अद्भुत मन्ना दिया।
- यीशु कैसे मूसा से बड़ा था।

यूहन्ना अध्याय 6:48-51 में ढूढें

- जो परमेश्वर पर विश्वास करते हैं, यीशु ने उनको क्या देने का वादा किया।

यूहन्ना अध्याय 6:52-64 में ढूढें।

- उन सबको, जो उसका मॉस और लहू खाते पीते है, यीशु ने उनको क्या देने का वादा किया।

- यीशु ने उनको और क्या ज्यादा देने का वायदा किया जो उसको खाते और पीते हैं।
- लोग कैसे मसीह को "खा"और "पी" सकते है (देखे पद 63-64)

मत्ति अध्याय 26:26-29 में ढूढें।

- जब मसीह और उसके चेले यहूदी के यहा फसह का खाना खा रहे थे तो वहाँ क्या घटना हुई।
- यीशु ने फसह की रोटी किसको कहा।
- यीशु ने फसह का प्याला किसको कहा।
- यीशु ने अपने चेलों को क्या करने की आज्ञा दी।

1 कुरिन्थियो अध्याय 10:16-22 में ढूंढें

- विश्वासियो ने जब सहभागिता के प्याले में से पिया, तो क्या हुआ (पद 16)
- विश्वासियो ने जब सहभागिता की रोटी खाई, तो क्या हुआ।
- विश्वासियो ने जब मूर्तिपूजक के बलिदान में से खाया, तो उनमें क्या भय उत्पन्न हुआ।

1 कुरिन्थियो अध्याय 11:25-34 में ढूंढें

- प्रभु भोज लेना क्यों एक महत्वपूर्ण संदेश देने जैसा है (पद 26)
- प्रभु भोज लेने से पहले विश्वासियों को क्या करना चाहिए (पद 27-28)
- यदि हम दूसरे विश्वासियों को प्रेम किए बिना प्रभु भोज लेते है, तो क्या भय हमारे लिए है।

2. आने वाले सप्ताह की गतिविधियों को सहकर्त्ता के साथ बनाए।

छोटे पादरी के साथ व्यवस्था करो कि, वे बीमार और कमजोर लोग जो लगातार अराधना सभा में नहीं आ सकते, उनको प्रभु भोज पहुचाँए।

यदि कोई विश्वासी प्रभु भोज के गुणों का आदर नहीं करता है तो उससे विचार विमर्श करें कि वह मसीह के गुप्त बदन और लहू का आदर करे, जब वह प्रभु भोज लेता है।

अपने सहकर्मीयों से विचार करें कि जो प्रभु भोज देते हैं, वे उपस्यिति का अनुभव करने मे सहायता कर सकते है।

अपने सहकर्मीयों से विचार करें कि जो प्रभु भोज देते हैं, सहभोज को वही महत्व दे सकते है जैसा यीशु और पौलुस ने दिया।

कलीसिया के अगुवों और परिवारों के मुखिया को प्रशिक्षित करो प्रभु भोज देने के लिए, बिना समझाए या फिर समझा कर (रोटी और प्याला अपने आप विश्वासियो के हृदयो में पवित्र आत्मा का काम करे)।

3. अपने सहकर्मी के साथ आने वाली आराधना समय की योजना बनाए।

बच्चो ने जो नाटक, कविता और प्रश्न तैयार किए है, प्रस्तुत करें।

आपने भाग एक में क्या पाया, बताए। जो आपने पाया उस पर प्रश्न पूछें।

- यहूदियो का फसह पर्व, निर्गमन 12:21-28
- स्वर्ग से रोटी, निर्गमन 16:2-5 और 30-31
- यीशु का चार हजार को खिलाना, मरकुस 8:1-9
- यीशु ने लोगो से कहा मेरा माँस खाओ, और विश्वासियो से क्या वाचा बाँधी यूहन्ना 6:25-36 तथा 48-64

- यीशु प्रभु भोज को धार्मिक रीति से स्थापित करता है, मत्ति 26:26-29
- प्रभु भोज में खाने और पीने का सही अर्थ क्या है, 1 कुरिन्थ 10:16-20
- प्रभु भोज लेने से पहले हम क्यूं अपने पापो की क्षमा मांगते है। 1 कुरिन्थ 11:25-34

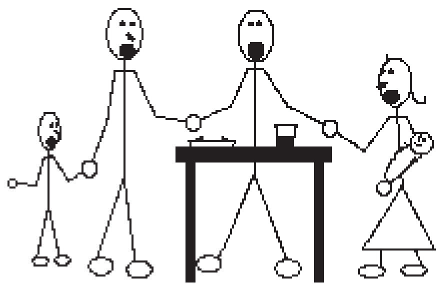

अगर किसी विश्वासी को गाना आता है और अच्छी आवाज है तो वह यीशु की सलीब के बारे में गाए और दुसरो को भी सिखाए और गाने में उनकी अगुवाई करे। अगर जोर से गाना खतरनाक है तो अहिस्ता गाए।

प्रभु भोज को जानने के लिए पढ़े उत्पति अध्याय 4:4-4 और आदम के बेटे हाबिल के बारे में बताए, जिसने परमेश्वर को भेड़ का बलिदान करके लहू चढ़ाया। व्याख्या करो कि यीशु कैसे निश:कलंक था जिसका बलिदान हमें परमेश्वर के नजदीक लाता है। रोटी और प्याला लेने से पहले विश्वासियो को समय दो कि वह एकान्त में अपने पापो का परमेश्वर के सामने अगींकार करें और जवान समूह के सामने, अगर उन्होंने जनता के विरोध में पाप किया है।

1 यूहन्ना अध्याय 1:7-9 याद करे।